



लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण

एच0आई0जी0 64 सेक्टर-डी, मानसरोवर, कानपुर रोड, लखनऊ
फोन नं0 : 0522-2435514 फैक्स : 0522- 4070404

निर्माण अनुज्ञा पत्र की स्वीकृति या अस्वीकृति के लिये प्रपत्र

सेवा में,

श्री आई0एच0 सिद्दीकी,
अधिकृत हस्ताक्षरी,
में0 एल्लिको हाउसिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि0
द्वितीय तल, एल्लिको कॉरपोरेट चैम्बर-1, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ।

महोदय,

आपके आवेदन प्रपत्र संख्या-477 दिनांक 02.01.2018 जो सम्पत्ति सेक्टर/मौजा ग्राम एल्लिको हाउसिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि0 लखनऊ द्वारा ग्राम जैतीखेड़ा, परगना बिजनौर जिला लखनऊ में नेट ऐरिया 62446.873 वर्गमीटर पर अनुज्ञा पत्र 386 दिनांक 17.06.2019 द्वारा स्वीकृत किया गया है। भूखण्ड संख्या/गाटा संख्या इस अनुज्ञा पत्र के साथ संलग्न संशोधित तलपट मानचित्र पर अंकित है, के गाटा संख्या के आंशिक/सम्पूर्ण भाग से प्रभावित क्षेत्रफल 2827.85 वर्गमीटर अर्थात् कुल संशोधित क्षेत्रफल 65346.873 वर्गमीटर पर स्वीकृति हेतु संशोधित भू-विन्यास/तलपट मानचित्र के अनुसार निर्माण/पुनः परिनिर्माण/मूलभूत परिवर्तन/ध्वस्तीकरण के लिए अनुज्ञा-पत्र की स्वीकृति से सम्बन्धित है, के सन्दर्भ में है, मुझे आपको यह सूचित करना है कि प्राधिकरण द्वारा निम्नलिखित शर्तों (सं0 1 सें 47) पर आपके आवेदन-पत्र पर संशोधित भू-विन्यास/तलपट मानचित्र (आवासीय भू-उपयोग) का अनुमोदन/ स्वीकृति प्रदान की जाती है।


नेहा जैन

(अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी)

कार्यालय संप्रेषण संख्या2095.....

पत्र सं0/लीडा/सी0ई0ओ./467
प्रतिलिपि-

दिनांक 16/03/21

1. मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय को अवलोकनार्थ प्रेषित।
2. मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी महोदय को इस आशय से प्रेषित कि अवशेष आंशिक विकासात्मक शुल्क की गणना एवं देयता के संबंध में आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
3. संबंधित सहायक प्रबंधक परि0 को इस आशय से प्रेषित कि मौके पर स्वीकृत मानचित्र एवं शर्तों के अनुसार ही निर्माण कार्य हो, को सुनिश्चित कराये।

लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण,

लखनऊ ।

संख्या/ल0औ0वि0प्रा0

दि0.....

निर्माणार्थ अनुमति - पत्र

यह अनुमति उ0 प्र0 औद्योगिक विकास अधिनियम 1976 एवं इसके साथ पठित माडल बिल्डिंग वाईलाज 1977 के अंतर्गत दी जाती है किन्तु इसका अर्थ यह न समझा जाना चाहिये कि भूमि के संबंध में जिस पर निर्माण हुआ है इस किसी प्रकार या किसी स्थानीय निवास या स्थानी अधिकारी या व्यक्ति अथवा फर्म के मालिकाना अधिकारों पर किसी का कोई असर पड़ेगा अर्थात् यह अनुमति किसी के मिल्कियत या स्वामित्व के अधिकारों के विरुद्ध कोई प्रभाव न रखेगा ।


निम्नलिखित प्रतिबंधों के आधार पर अनुमति दी जाती है कि श्री/ श्रीमती/ एल्लिको हाउसिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि0 लखनऊ द्वारा ग्राम जैतीखेड़ा, परगना बिजनौर जिला लखनऊ में नेट ऐरिया 62446.873 वर्गमीटर पर अनुज्ञा पत्र 386 दिनांक 17.06.2019 द्वारा स्वीकृत किया गया है। भूखण्ड संख्या/गाटा संख्या इस अनुज्ञा पत्र के साथ संलग्न संशोधित तलपट मानचित्र पर अंकित है, के गाटा संख्या के आंशिक/सम्पूर्ण भाग से प्रभावित क्षेत्रफल 2827.85 वर्गमीटर अर्थात् कुल संशोधित क्षेत्रफल 65346.873 वर्गमीटर पर मानचित्र स्वीकृति हेतु दिनांक 18.06.2020 आवेदन पत्र संख्या-639 द्वारा स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया है, चिन्हित भवन मानचित्र के अनुसार निर्माण हेतु प्रस्तुत तलपट (आवासीय भू-उपयोग) मानचित्र का अनुमोदन पत्रावली संख्या 467/लीडा/सी.ई.ओ./2019-20 पर 1 से 47 शर्तों के अधीन स्वीकृति प्रदान की जाती है।


सहा0 प्रबंधक (परि0)


प्रबंधक (परि0)


सहायक नगर नियोजक


वरि0 प्रबन्धक (परियोजना)


अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी


दिनांक—

नोट—

1. यह स्वीकृत पत्र केवल पॉच वर्ष की अवधि के लिये है। यदि भू-विन्यास का विकास शर्तानुसार /आज्ञानुकूल नहीं विकसित की गयी तो प्राधिकरण द्वारा उसे निरस्त किया जा सकता है अथवा ऐसे रूप में परिवर्तित किया जा सकता है जो कि समुचित समझा जावे। इसका पूर्ण व्यय का भार विकासकर्ता पर होगा यदि कोई भू-विन्यास बिना प्राधिकरण की अनुमति प्राप्ति किये विकसित अथवा पुनः विकसित होगा तो विकासकर्ता को दण्ड दिया जावेगा अथवा इस प्रकार के अवज्ञामय भू-विन्यास को प्राधिकरण द्वारा हटाया जाएगा और उसके हटाने के खर्च का भार उन विकासकर्ता से वसूल किया जायेगा।
2. विकास/निर्माण के समय इसका ध्यान रखना होगा कि भारतीय विद्युत अधिनियम 1973 (अधिनियम इलेक्टिक सिटी रूल्स के नियम 1970 का उल्लंघन किसी भी दशा में न होना चाहिये। यदि प्राधिकरण की जानकारी में ऐसे मामलें पाये गये तो वह भू-विन्यास विकास को निरस्त अथवा रोक अथवा हटा सकता है।
3. प्रार्थी को नियमानुसार प्राधिकरण को विकास के पूर्ण हो जाने की सूचना समय के भीतर पूर्ण होने के पश्चात 15 दिन के अंदर देना होगा।
4. यह अनुमति किसी कारण वश नजूल प्राधिकरण अथवा जमीनदारी उन्मूलन के भूमि पर निर्माण हेतु दे दी गयी तो वैध न मानी जायेगी और प्राधिकरण को अधिकार होगा कि ऐसे भूमि पर विकास आदि हटावे जिसका कोई हरजाना प्राधिकरण द्वारा देय न होगा। इसलिये भूमि स्वामी अपनी भूमि के संबंध में पूर्ण जानकारी प्राप्त करके तभी भू-विन्यास विकास को प्रारम्भ करे।
5. भू-विन्यास हेतु प्रस्तावित स्थल में समस्त आंतरिक विकास कार्य जैसे नाली, सीवर, सड़क वाटर सप्लाई, वाहय विद्युतीकरण, सेप्टिक टैंक, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, ट्रांसफार्मर इत्यादि आवेदक द्वारा स्वयं के खर्चे पर निर्धारित विशिष्टताओं एवं परियोजना रिपोर्ट में उल्लिखित तथा प्रस्तुत शपथ पत्र के अनुरूप कराये जायेंगे। स्थलीय निरीक्षण के दौरान आंतरिक विकास कार्यो को निर्धारित विशिष्टताओं के अनुरूप न पाये जाने की स्थिति में प्राधिकरण आवेदक के विरुद्ध विधिक कार्यवाही हेतु स्वतंत्र होगा।
6. वाहय अवस्थापनागत सुविधाओं से आंतरिक सुविधाओं का संयोजन आवेदक द्वारा प्राधिकरण से अनुमति के उपरांत स्वयं के खर्चे पर कराया जायेगा।
7. आवेदक द्वारा स्वीकृत मानचित्र व वाहय विकासात्मक कार्यो के विरुद्ध कोई भी वाद योजित नहीं किया जायेगा।
8. भूखण्डों पर व्यक्तिगत आवंटियों द्वारा जो भी निर्माण कराया जायेगा उसका मानचित्र लीडा भवन विनियमावली, निदेशक मण्डल के निर्णय एवं समय-समय पर जारी शासनादेशों के अंतर्गत लीडा द्वारा स्वीकृत किया जायेगा।
9. परियोजना सम्बन्धित समस्त आवश्यक शासकीय अनापत्ति आवेदक द्वारा अवश्य प्राप्त की जायेगी एवं उसके अनुपालन की जिम्मेदारी आवेदक की स्वयं की होगी।
10. यह अनुज्ञा 5 वर्ष के लिए वैध होगी। वैधता अवधि में आवेदक द्वारा पूर्णता प्रमाण पत्र जमा करना होगा।
11. प्रस्तावित स्थल पर विकास प्रारम्भ करने पर आवेदक द्वारा उसकी सूचना विहित प्रपत्र पर प्राधिकरण को दी जायेगी।
12. सड़को के किनारे यथा सम्भव कच्चे रखे जाएंगे अथवा बिक-ऑन-एज" / लूज स्टोन पेवमेन्ट" का प्राविधान किया जाएगा, ताकि ग्राउन्ड वाटर की अधिक से अधिक रिचार्जिंग सम्भव हो सके।
13. विकास के दौरान यदि स्वीकृत प्लान में कोई विचलन है या विचलन किया जाना अभिप्रेत है, तो प्रस्तावित विचलन निष्पादित करने के पूर्व प्राधिकरण से अनुज्ञा प्राप्त की जाएगी।
14. विकास कार्य पूर्ण हो जाने के पश्चात अनुज्ञापित तकनीकी व्यक्ति निर्धारित प्रारूप में सूचना देगा और उसके साथ मानचित्र की प्रति/कम्प्यूटरीकृत ड्राइंग (.dwg या समकक्ष फार्मेट में) सी.डी. में



- जमा करेगा, जिसके आधार पर प्राधिकरण द्वारा पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। कार्यपूति प्रमाण पत्र फीस प्राधिकरण की नियमावली के अनुसार जमा करना होगा।
15. प्राधिकरण द्वारा समय-2 पर आवेदक से माँगे जाने पर आवंटियों की सूची पता सहित उपलब्ध कराना होगा।
 16. आवेदक को अपने वित्त पोषण संबंधी बैंक/संस्था के विवरण की सूचना प्राधिकरण को देनी होगी।
 17. आवेदक को स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप ही संबंधित सिविल इंजी० व आर्की० की देखरेख में विकास कार्य कराया जायेगा तथा समय-समय पर कार्य की प्रगति से प्राधिकरण को अवगत करना होगा। विशिष्टियों गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी के लिये प्राधिकरण जिम्मेदार नहीं होगा।
 18. प्राधिकरण के सहा० प्रबंधक परि० अथवा अन्य अधिकारी द्वारा यदि किसी प्रकार का निरीक्षण किया जाता है तो आवेदक को पूर्ण सहयोग करना होगा।
 19. प्राधिकरण की भवन नियमावली, अनुमोदित उपविभाजन तलपट मानचित्र के प्राविधान एवं अन्य शर्तें आवेदक को मान्य होगी।
 20. किसी भी नियमों की अवहेलना करने पर आवेदक का मानचित्र अस्वीकृत माना जायेगा।
 21. स्वीकृत मानचित्र की प्रति स्थल पर उपलब्ध रहेगी तथा अध्याय-2 के नियम 16 का पालन किया जायेगा।
 22. निजी भूमियों के भू-स्वामित्व के संबंध में समस्त जिम्मेदारी विकासकर्ता की स्वयं की होगी तथा स्वामित्व संबंधी विपरीत तथ्यों के प्रकाश में आने पर मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा। स्वामित्व संबंधी किसी भी विवाद की जिम्मेदारी विकासकर्ता की होगी एवं प्राधिकरण से इसका कोई संबंध नहीं होगा।
 23. विकासकर्ता केवल उसी भूमि पर विकास/निर्माण कार्य कर सकेगा जिस भूमि का स्वामित्व व कब्जा विकासकर्ता के पास है।
 24. प्रश्नगत स्वीकृति ले-आउट प्लान के उसी भाग के लिए मान्य होगी जो विकासकर्ता के स्वामित्व में है।
 25. विकासकर्ता मे० एल्लिको हाउसिंग एण्ड इण्डस्ट्रीज लि० के कन्सोर्टियम सदस्यों नेचून इन्फाकाम प्रा०लि० तथा शिवाय कन्स्ट्रक्सन प्रा०लि० द्वारा आवेदक को मानचित्र स्वीकृति एवं विकास कार्य हेतु अधिकृत किया गया है। यदि कन्सोर्टियम सदस्यों के मध्य कोई विवाद होता है तो विवाद की स्थिति में योजना पूर्ण करने तथा अन्य की समस्त जिम्मेदारी आवेदक की होगी।
 26. ले-आउट प्लान के अंतर्गत यदि तालाब, कब्रिस्तान, मंदिर (देवालय), नाले व चकनाली इत्यादि पड़ते हैं तो उनके स्वरूप को यथावत रखना होगा तथा किसी भी दशा में इसका संकुचन अनुमन्य नहीं होगा। योजना अन्तर्गत पड़ने वाली चकरोड, चकनाली सरकारी भूमि इत्यादि को जन सामान्य हेतु बाधित नहीं किया जायेगा।
 27. जनसंख्या के आधार पर मानकों के अनुसार सार्वजनिक सुविधाओं यथा आंगनवाडी, हेल्थ सेन्टर, पोस्ट आफिस, पुलिस चौकी, बारातघर/कम्यूनिटी सेंटर, विद्युत सब-स्टेशन, बैंक, ए०टी०एम०, क्रीडा केन्द्र, गारबेज कलेक्शन सेंटर, बूथ/कियोस्क, नर्सरी, प्राइमरी एवं इन्टरमीडिएट स्कूल आदि का प्राविधान करना होगा एवं भवन मानचित्र का पृथक से अनुमोदन विकासकर्ता को प्राप्त करना होगा। उक्त सुविधाओं का विकास, योजना के अन्य विकास कार्यों के साथ-साथ, समानुपातिक रूप से करना होगा।
 28. विकासकर्ता द्वारा टाउनशिप /कालोनियों में एस०टी०पी०/म्युनिसिपल सालिड वेस्ट का निस्तारण योजनाबद्ध रूप से कराये जाने विषयक पर्यावरण विभाग के शासनादेश सं० 3333/55-पर्या०/2008 दि० 29.09.2008 के अनुपालन में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से सहमति/अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जाना होगा तथा प्रस्तावित योजना के संबंध में सक्षम स्तर से पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त की जानी होगी। निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित मास्टर प्लान




2031 की नीति के आधार पर सालिडवेस्ट की गणना की जायेगी। सालिडवेस्ट के अंतिम निस्तारण हेतु विकासकर्ता को स्वयं नगर निगम की सहमति/अनुमति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।

29. शासनादेश सं० 4384 (1) /8-3-11-181 विविध/2008 दि० 07.10.2011, सं० 3338/आठ-1-11-80 (विविध)/2010 दि० 26.09.2011 व सं० 3188/आठ-1-13-80विविध/2010 दि० 05.12.2013 व अन्य शासनादेशों के अनुसार ई०डब्लू०एस० तथा एल०आई०जी० के डेवलपिंग यूनिट्स निर्मित करने होंगे, जो विकासकर्ता के निर्विवाद भूमि पर होंगे। विकासकर्ता द्वारा ई०डब्लू०एस०/एल०आई०जी० वर्ग के लाभार्थियों को शासकीय अभिकरण द्वारा निर्धारित लागत पर एवं निर्धारित मानकों के अनुसार विकसित/निर्मित कर उपलब्ध कराये जाने वाले भवनों का आवंटन उक्त आय वर्गों के लाभार्थियों को मुख्य कार्यपालक अधिकारी लीडा की अध्यक्षता में उनके द्वारा गठित समिति के माध्यम से शासनादेशों के अनुसार किया जायेगा, जिसमें जिलाधिकारी तथा विकासकर्ता के प्रतिनिधि भी सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त विकासकर्ता को शासनादेशों की अपेक्षानुसार योजनान्तर्गत अन्य विकास कार्यों/निर्माण कार्यों के साथ-साथ ई०डब्लू०एस०/एल०आई०जी० श्रेणी के भवनों एवं सामुदायिक सुविधाओं का निर्माण एवं विकास कार्य को करना होगा। दुर्बल आय वर्गों एवं अल्प आय वर्गों भवनों के मानचित्र भी ग्रुप हाउसिंग प्लॉट्स के मानचित्र की स्वीकृति के समय ही स्वीकृत कराये जायेंगे। योजना का कम्पलीशन सर्टीफिकेट तभी जारी किया जायेगा जब विकास कर्ता द्वारा सम्पूर्ण विकास कार्यों व निर्माण के साथ-साथ ई०डब्लू०एस०/एल०आई०जी० भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा।
30. विकासकर्ता द्वारा ई०डब्लू०एस०/एल०आई०जी० भवन, तथा सामुदायिक सुविधाएं ले-आउट में ऐसे स्थलों पर प्रस्तावित किये जायेंगे, जिनका स्वामित्व निर्विवाद रूप से विकासकर्ता के पास उपलब्ध हो तथा ई.डब्लू.एस.एल.आई.जी. के मानचित्र अनुज्ञा पत्र के तिथि के एक माह के अन्दर स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे।
31. विकास के सभी कार्य निर्धारित विशिष्टताओं एवं मानकों के आधार पर विकासकर्ता द्वारा सम्पादित कराये जायेंगे। विकासकर्ता द्वारा आंतरिक विकास कार्यों का विस्तृत ड्राइंग, डिजाइन व प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। यह सुनिश्चित करने हेतु विकासकर्ता द्वारा विक्रय योग्य भूमि का 20 प्रतिशत (बीस प्रतिशत) क्षेत्र लीडा के समक्ष/पास बंधक के रूप में रखा जायेगा अथवा विकासकर्ता द्वारा इतनी ही धनराशि की बैंक गारन्टी प्रेषित की जायेगी। विकासकर्ता द्वारा विकास कार्य न कराये जाने अथवा निर्धारित विशिष्टताओं एवं मानकों के अनुरूप न करवाए जाने की स्थिति में बंधक भूखण्डों को विक्रय कर अथवा बैंक गारन्टी को कैश कर विकास कार्य लीडा द्वारा सम्पादित कराये जायेंगे। विकास कार्य सम्पादित होने पर समानुपातिक रूप से भूखण्ड अवमुक्त किये जायेंगे अथवा बैंक गारन्टी अवमुक्त की जायेगी।
32. विकासकर्ता द्वारा रेनवाटर हार्वेस्टिंग हेतु प्रस्तावित स्ट्रक्चर्स की प्रश्नगत क्षेत्र की हाईड्रोज्यालोजी के आधार पर उपयुक्तता के संबंध में सेंट्रल ग्राउन्ड वाटर बोर्ड तथा उत्तर प्रदेश भूजल विभाग से स्वयं अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा।
33. विकासकर्ता को विद्युत आपूर्ति यू०पी०पी०सी०एल० से प्राप्त की जानी प्रस्तावित है, जिसके लिए विकासकर्ता को स्वयं यू०पी०पी०सी०एल० से सहमति/अनुमति प्राप्त करनी होगी।
34. विकासकर्ता द्वारा नियमानुसार सिचाई विभाग से स्वयं सहमति/अनुमति प्राप्त करनी होगी।
35. विकासकर्ता द्वारा परियोजना में नियमानुसार स्ट्रीट लाइट हेतु सोलर सिस्टम का प्रयोग किया जायेगा। इस हेतु जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
36. विकासकर्ता को योजना में सीवर ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता व डिजाइन को जल निगम के मानकों के अनुसार योजना में करना होगा। निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित मास्टर प्लान- 2031 की नीति के अनुसार कुल जलापूर्ति के 80 प्रतिशत सीवेज की मात्रा की गणना की जायेगी। विकासकर्ता को जनसंख्या के अनुसार सालिड वेस्ट निस्तारण स्थल (गारबेज कलेक्शन सेंटर) हेतु आवश्यक क्षेत्रफल की व्यवस्था विकासकर्ता को स्वयं करनी होगी।




37. विभिन्न अवस्थापना सुविधाओं यथा जलापूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज, वाह्य विद्युतीकरण, विद्युत आपूर्ति, सालिड वेस्ट मैनेजमेंट, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, पार्क, जल निकासी, लैण्डस्केपिंग, वृक्षारोपण इत्यादि के पृथक-पृथक प्लान्स प्रस्तुत करने होंगे।
38. विकासकर्ता द्वारा कैश फ्लो स्टेटमेंट तथा निर्माण/विकास गतिविधियों हेतु बार चार्ट प्रस्तुत करना होगा, जो सी0ए0 द्वारा सत्यापित होगा। योजना के समस्त कार्य समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण करने होंगे। विकासकर्ता द्वारा समस्त आंतरिक विकास कार्य स्वयं के खर्चे पर करना होगा। विकास कर्ता द्वारा विकास शुल्क, भवन शुल्क व अनुज्ञा शुल्क इत्यादि नियमानुसार निर्धारित अवधि पर जमा करना होगा तथा यदि भविष्य में मा0 न्यायालय अथवा राज्य सरकार अथवा भारत सरकार द्वारा किसी प्रकार का निर्णय/निर्देश, किन्ही प्रकार के शुल्क अधिरोपित करने के संबंध में जारी किये जाते हैं तो उसके अनुसार विकासकर्ता को शुल्क प्राधिकरण कोष में जमा करना होगा। विकासकर्ता को अपने बैंक का विवरण भी उपलब्ध कराना होगा, जिनसे उसके द्वारा वित्तीय सुविधा प्राप्त की जा रही है।
39. योजना के मरम्मत एवं रख-रखाव के कार्यों के संबंध में मे0 एल्लिको हाउसिंग इण्डस्ट्रीज लि0 को लीडा द्वारा निर्धारित नीतियों का पालन करना होगा।
40. परियोजना के अन्तर्गत गार्ड रूम के क्षेत्रफल की गणना प्रस्तावित ग्रीन से भिन्न रखी जायेगी तथा प्रभावित ग्रीन क्षेत्र को नियमानुसार अन्य क्षेत्र में दर्शाते हुये गणना की जायेगी।
41. विकासकर्ता द्वारा आंतरिक विकास कार्यों का विस्तृत ड्राइंग, डिजाइन व प्रोजेक्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी।
42. आवेदककर्ता द्वारा दिये गये शपथ पत्र के अनुसार सभी गाटों का दाखिल खारिज होने के उपरान्त कार्यालय में प्रस्तुत करना होगा। उसके बाद ही उपरोक्त गाटों पर अंकित प्लोटों/भूखण्डों की विक्रय की कार्यवाही की जायेगी।
43. आवेदनकर्ता द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र के क्रम में प्रदूषण विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा अन्यथा स्वीकृत भू-विन्यास मानचित्र स्वतः निरस्त माना जायेगा।
44. आवेदनकर्ता द्वारा लेबर सेस या अन्य किसी भी प्रकार की यदि देयता बनती है तो प्राधिकरण में जमा कराना होगा।
45. प्रस्तुत परियोजना के मानचित्र में इंगित रोड संख्या-18 एवं पेब्ड रोड संख्या-19 से होकर जाने वाली चकरोड नाली को यथावत रखा जाये तथा रोड संख्या-18,19 को मानचित्र से विलोपित माना जायेगा। एस.टी.पी. को ग्रीन संख्या-9 के अन्तर्गत माना जायेगा तथा मानचित्र के ग्रीन संख्या-3 में दर्शाये गये एस.टी.पी. को विलोपित माना जायेगा। उक्त स्थल की गणना ग्रीन में की जायेगी।
46. आवेदक को परियोजना अन्तर्गत सड़क संख्या- आर-1, आर-5, आर-15 आर-23, आर-24 से होकर जाने वाली चकरोड/चकनाली से प्रभावित सड़कों पर किसी प्रकार का विकास कार्य किये जाने हेतु जिलाधिकारी महोदय से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करना होगा तथा चकरोड/चकनाली से प्रभावित भूखण्डों का विक्रय जिलाधिकारी महोदय से अनापत्ति प्राप्त होने के उपरान्त किया जायेगा।
47. किन्ही भी शर्तों का अनुपालन न करने पर ले-आउट मानचित्र की स्वीकृति स्वतः निरस्त मानी जायेगी। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में निदेशक मंडल का निर्णय अंतिम होगा।


सहायक प्रबन्धक (परि0)


सहायक नगर नियोजक


अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी


प्रबन्धक (परि0)


वरि0 प्रबन्धक (परियोजना)

State Level Environment Impact Assessment Authority, Uttar Pradesh

Directorate of Environment, U.P.

Vineet Khand-1, Gomti Nagar, Lucknow - 226 010

Phone : 91-522-2300 541, Fax : 91-522-2300 543

E-mail : doeuplko@yahoo.com

Website : www.seiaaup.in

To,

Shri Amit Kumar,
M/s Eldeco housing & Industries Ltd,
2nd Floor, Eldeco Corporate Chamber-1,
Vibhuti Khnad, Gomti Ngar,
Lucknow-226010

Ref. No. 132...../Parya/SEAC/4763/2019

Date: 28 June, 2019

Sub: Environmental Clearance for Residential Township at Khasra no- 30,31,32,33,34,35,36,37ba, 37sa, 42,43,44,142, 149, 150, 151, 152, 153,155, 293sa, 293sa, 148, 154, 62,146 & 147, Village-Jatikhera, Pargana-Bijnaur, Tehsil-Sarojni Nagar, District- Lucknow, U.P., M/s Eldeco Housing & Industries Ltd, Regarding.

Dear Sir,

Please refer to your application/letters 24-04-2019 & 25-04-2019 addressed to the Chairman/Secretary, State Level Environment Impact Assessment Authority (SEIAA) and Director, Directorate of Environment Govt. of UP on the subject as above. The State Level Expert Appraisal Committee considered the matter in its meetings held on dated 15/05/2019 and SEIAA in its meeting dated 11-06-2019.

A presentation was made by the project proponent along with their consultant M/s Ind Tech House Consult. The proponent, through the documents submitted and the presentation made, informed the committee that:-

1. The environmental clearance is sought for Residential Township at Khasra no- 30,31,32,33,34,35,36,37ba, 37sa, 42,43,44,142, 149, 150, 151, 152, 153,155, 293sa, 293sa, 148, 154, 62,146 & 147, Village-Jatikhera, Pargana-Bijnaur, Tehsil-Sarojni Nagar, District- Lucknow, U.P., M/s Eldeco Housing & Industries Ltd.
2. Total plot area and built-up area of the project is 68,200 sqm and 47,077.09 sqm respectively. Saleable Plots are 150. Total No. of EWS & LIG Units is 32.
3. Estimated cost of the project is Rs. 50 Crores.
4. Salient features of the project:

S. No.	Description	Quantity	Unit
GENERAL			
1	Plot Area	68200	SQM
2	Area Under road widening	3433.127	SQM
3	Area under samaj land and chak road	2320.00	
4	Net Plot Area	62446.873	SQM
5	Proposed Built Up Area	47077.09	SQM
6	Total no of Residential Plots	150	NOS
7	No. of EWS & LIG Units (16 + 16)	32	NOS
8	Cost of Project	50	CR
9	Estimated Population of colony (1564 Residential- 482 Floating)	2046	PERSONS
WATER			
10	Total Water Requirement	188	KLD
11	Fresh Water requirement	109	KLD
12	Waste water Generation	133	KLD
13	Proposed STP capacity	160	KLD
14	Treated water available for Reuse	107	KLD
15	Recycled water	79	KLD
16	Surplus treated water	28	KLD



RAIN WATER HARVESTING			
17	No of RWH of Pits Proposed	6	NOS
PARKING			
18	Total Proposed parking	283	Cars
GREEN AREAS			
19	Proposed Green Area (15%)	9376.02	SQM
WASTE GENERATION			
20	Municipal Solid Waste Generation	1.02	TPD
21	Quantity of Hazardous waste Generation	0.35	LTS/DAY
22	Quantity of Sludge Generation from STP	118	KG/DAY
POWER			
23	Total Power Requirement	1100 (Source : LIDA)	KW
24	DG set backup	535 KVA (250 KVA, 160 KVA (for Commercial) & 125 KVA (for club))	KVA

5. Population details:

RESIDENTIAL	TOTAL
Plotted	1500
EWS & LIG	64
TOTAL	1564
NON RESIDENTIAL	
CLUB/COMMERCIAL (Employees etc.)	
STAFF	438
TOTAL VISITORS	44
TOTAL POPULATION	2046

6. Water requirement details:

	POPULATION/ AREA/UNIT	RATE IN LTS	TOTAL CITY IN KL
RESIDENTIAL			
DOMESTIC	1564	68	107
FLUSHING	1564	21	33
NON RESIDENTIAL (Working)			
DOMESTIC	438	15	7
FLUSHING	438	30	13
VISITORS			
DOMESTIC	44	5	0.22
FLUSHING	44	10	0.44
TOTAL POPULATION	2046		
GARDENING	9376.02	3.5	33
TOTAL WATER REQUIREMENT			188

Head	Source	Quantity
Fresh Water Requirement	Lucknow Industrial Development Authority	109 KLD
Treated Water Requirement	On site STP	79 KLD
➤ Estimated waste water Generation: 133 KLD ➤ Waste water to be treated in onsite STP: 133 KLD ➤ Additional waste water to be discharged into sewer: 28 KLD		



- Proposed treatment methodology : MBBR
- Proposed STP (Capacity): 160 KLD
- Treatment up to tertiary level.
- STP shall have power back-up for uninterrupted operation during power failure.
- Treated waste water will be used for flushing & gardening.

7. Solid waste details:

Waste Category	Quantity	Unit
Total Waste Generation	1.02	TPD
Organic Waste Generation	0.60	TPD
Sludge Generation	118	KG/Day
Hazardous Waste Generation (DG Waste Oil)	0.35	Ltrs/ Day

8. The project proposal falls under category-8(a) of EIA Notification, 2006 (as amended).

Based on the recommendations of the State Level Expert Appraisal Committee Meeting (SEAC) held on 15/05/2019 the State Level Environment Impact Assessment Authority (SEIAA) in its Meeting held 11/06/2019 decided to grant the Environmental Clearance for proposed project along with subject to the effective implementation of the following general & specific conditions:-

General Conditions:

1. It shall be ensured that all standards related to ambient environmental quality and the emission/effluent standards as prescribed by the MoEF are strictly complied with.
2. It shall be ensured that obtain the no objection certificate from the U P pollution control board before start of construction.
3. It shall be ensured that no construction work or preparation of land by the project management except for securing the land is started on the project or the activity without the prior environmental clearance.
4. The proposed land use shall be in accordance to the prescribed land use. A land use certificate issued by the competent Authority shall be obtained in this regards.
5. All trees felling in the project area shall be as permitted by the forest department under the prescribed rules. Suitable clearance in this regard shall be obtained from the competent Authority.
6. Impact of drainage pattern on environment should be provided.
7. Surface hydrology and water regime of the project area within 10 km should be provided.
8. A suitable plan for providing shelter, light and fuel, water and waste disposal for construction labour during the construction phase shall be provided along with the number of proposed workers.
9. Measures shall be undertaken to recycle and reuse treated effluents for horticulture and plantation. A suitable plan for waste water recycling shall be submitted.
10. Obtain proper permission from competent authorities regarding enhanced traffic during and due to construction and operation of project.
11. Obtain necessary clearances from the competent Authority on the abstraction and use of ground water during the construction and operation phases.
12. Hazardous/inflammable/Explosive materials likely to be stored during the construction and operation phases shall be as per standard procedure as prescribed under law. Necessary clearances in this regards shall be obtained.
13. Solid wastes shall be suitably segregated and disposed. A separate and isolated municipal waste collection center should be provided. Necessary plans should be submitted in this regards.
14. Suitable rainwater harvesting systems as per designs of groundwater department shall be installed. Complete proposals in this regard should be submitted.
15. The emissions and effluents etc. from machines, instruments and transport during construction and operation phases should be according to the prescribed standards. Necessary plans in this regard shall be submitted.
16. Water sprinklers and other dust control measures should be undertaken to take care of dust generated during the construction and operation phases. Necessary plans in this regard shall be submitted.
17. Suitable noise abatement measures shall be adopted during the construction and operation phases in order to ensure that the noise emissions do not violate the prescribed ambient noise standards. Necessary plans in this regard shall be submitted.



18. Separate stock piles shall be maintained for excavated top soil and the top soil should be utilized for preparation of green belt.
19. Sewage effluents shall be kept separate from rain water collection and storage system and separately disposed. Other effluents should not be allowed to mix with domestic effluents.
20. Hazardous/Solid wastes generated during construction and operation phases should be disposed off as prescribed under law. Necessary clearances in this regard shall be obtained.
21. Alternate technologies for solid waste disposals (like vermin-culture etc.) should be used in consultation with expert organizations.
22. No wetland should be infringed during construction and operation phases. Any wetland coming in the project area should be suitably rejuvenated and conserved.
23. Pavements shall be so constructed as to allow infiltration of surface run-off of rain water. Fully impermeable pavements shall not be constructed. Construction of pavements around trees shall be as per scientifically accepted principles in order to provide suitable watering, aeration and nutrition to the tree.
24. The Green building Concept suggested by Indian Green Building Council, which is a part of CII-Godrej GBC, shall be studied and followed as far as possible.
25. Compliance with the safety procedures, norms and guidelines as outlined in National Building Code 2005 shall be compulsorily ensured.
26. Ensure usage of dual flush systems for flush cisterns and explore options to use sensor based fixtures, waterless urinals and other water saving techniques.
27. Explore options for use of dual pipe plumbing for use of water with different qualities such as municipal supply, recycled water, ground water etc.
28. Ensure use of measures for reducing water demand for landscaping and using xeriscaping, efficient irrigation equipments & controlled watering systems.
29. Make suitable provisions for using solar energy as alternative source of energy. Solar energy application should be incorporated for illumination of common areas, lighting for gardens and street lighting in addition to provision for solar water heating. Present a detailed report showing how much percentage of backup power for institution can be provided through solar energy so that use and polluting effects of DG sets can be minimized.
30. Make separate provision for segregation, collection, transport and disposal of e-waste.
31. Educate citizens and other stake-holders by putting up hoardings at different places to create environmental awareness.
32. Traffic congestion near the entry and exit points from the roads adjoining the proposed project site must be avoided. Parking should be fully internalized and no public space should be utilized.
33. Prepare and present disaster management plan.
34. The project proponents shall ensure that no construction activity is undertaken without obtaining pre-environmental clearance.
35. A report on the energy conservation measures conforming to energy conservation norms finalized by Bureau of Energy efficiency should be prepared incorporating details about building materials and technology, R & U Factors etc.
36. Fly ash should be used as building material in the construction as per the provision of fly ash notification of September, 1999 and amended as on August, 2003 (The above condition is applicable only if the project lies within 100 km of Thermal Power Station).
37. The DG sets to be used during construction phase should use low sulphur diesel type and should conform to E.P. rules prescribed for air and noise emission standards.
38. Alternate technologies to Chlorination (for disinfection of waste water) including methods like Ultra Violet radiation, Ozonation etc. shall be examined and a report submitted with justification for selected technology.
39. The green belt design along the periphery of the plot shall achieve attenuation factor conforming to the day and night noise standards prescribed for residential land use. The open spaces inside the plot should be suitably landscaped and covered with vegetation of indigenous variety.
40. The construction of the building and the consequent increased traffic load should be such that the micro climate of the area is not adversely affected.
41. The building should be designed so as to take sufficient safeguards regarding seismic zone sensitivity.
42. High rise buildings should obtain clearance from aviation department or concerned authority.



43. Suitable measures shall be taken to restrain the development of small commercial activities or slums in the vicinity of the complex. All commercial activities should be restricted to special areas earmarked for the purpose.
44. It is suggested that literacy program for weaker sections of society/women/adults (including domestic help) and under privileged children could be provided in a formal way.
45. The use of Compact Fluorescent lamps should be encouraged. A management plan for the safe disposal of used/damaged CFLs should be submitted.
46. It shall be ensured that all Street and park lighting is solar powered. 50% of the same may be provided with dual (solar/electrical) alternatives.
47. Solar water heater shall be installed to the maximum possible capacity. Plans may be drawn up accordingly and submitted with justification.
48. Treated effluents shall be maximally reused to aim for zero discharge. Where ever not possible, a detailed management plan for disposal should be provided with quantities and quality of waste water.
49. The treated effluents should normally not be discharged into public sewers with terminal treatment facilities as they adversely affect the hydraulic capacity of STP. If unable, necessary permission from authorities should be taken.
50. Construction activities including movements of vehicles should be so managed so that no disturbance is caused to nearby residents.
51. All necessary statutory clearances should be obtained and submitted before start of any construction activity and if this condition is violated the clearance, if and when given, shall be automatically deemed to have been cancelled.
52. Parking areas should be in accordance with the norms of MOEF, Government of India. Plans may be drawn up accordingly and submitted.
53. The location of the STP should be such that it is away from human habitation and does not cause problem of odor. Odorless technology options should be examined and a report submitted.
54. The Environment Management plan should also include the break up costs on various activities and the management issues also so that the residents also participate in the implementation of the environment management plan.
55. Detailed plans for safe disposal of STP sludge shall be provided along with ultimate disposal location, quantitative estimates and measures proposed.
56. Status of the project as on date shall be submitted along with photographs from North, South, West and East side facing camera and adjoining areas should be provided.
57. Specific location along with dimensions with reference to STP, Parking, Open areas and Green belt etc. should be provided on the layout plan.
58. The DG sets shall be so installed so as to conform to prescribed stack heights and regulations and also to the noise standards as prescribed. Details should be submitted.
59. E-Waste Management should be done as per MoEF guidelines.
60. Electrical waste should be segregated & disposed suitably as not to impose Environmental Risk.
61. The use of suitably processed plastic waste in the construction of roads should be considered.
62. Displaced persons shall be suitably rehabilitated as per prescribed norms.
63. Dispensary for first aid shall be provided.
64. Safe disposal arrangement of used toiletries items in Hotels should be ensured. Toiletries items could be given complementary to guests, adopting suitable measures.
65. Diesel generating set stacks should be monitored for CO and HC.
66. Ground Water downstream of Rain Water Harvesting pit nearest to STP should be monitored for bacterial contamination. Necessary Hand Pumps should be provided for sampling. The monitoring is to be done both in pre and post monsoon, seasons.
67. The green belt shall consist of 50% trees, 25% shrubs and 25% grass as per MoEF norms.
68. A Separate electric meter shall be provided to monitor consumption of energy for the operation of sewage/effluent treatment in tanks.
69. An energy audit should be annually carried out during the operational phase and submitted to the authority.
70. Project proponents shall endeavor to obtain ISO: 14001 certification. All general and specific conditions mentioned under this environmental clearance should be included in the environmental manual to be prepared for the certification purposes and compliance.



71. Environmental Corporate Responsibility (ECR) plan along with budgetary provision amounting to 2% of total project cost shall be submitted (within the month) on need base assessment study in the study area. Income generating measures which can help in up-liftment of weaker section of society consistent with the traditional skills of the people identified. The program me can include activities such as old age homes, rain water harvesting provisions in nearby areas, development of fodder farm, fruit bearing orchards, vocational training etc. In addition, vocational training for individuals shall be imparted so that poor section of society can take up self employment and jobs. Separate budget for community development activities and income generating programmers shall be specified. Revised ECR plan is to be submitted within 3 month. Failing which, the environmental Clearance shall be deemed to be cancelled.
72. Appropriate safety measures should be made for accidental fire.
73. Smoke meters should be installed as warning measures for accidental fires.
74. Plan for safe disposal of R.O reject is to be submitted.

Specific Conditions:

1. The project proponent shall submit within the next 3 months the details of solar power plant and solar electrification details within the project.
2. The project proponent shall ensure to plant broad leave trees and their maintenance. The CPCB guidelines in this regard shall be followed.
3. The project proponent shall submit within the next 3 months the details on quantification of year wise CER activities along with cost and other details. CER activities must not be less 2% of the project cost. The CER activities should be related to mitigation of Environmental Pollution and awareness for the same.
4. The project proponent shall submit within the next 3 months the details of estimated construction waste generated during the construction period and its management plan.
5. The project proponent shall submit within the next 3 months the details of segregation plan of MSW.
6. The project proponent shall install the STP of adequate capacity for the treatment of entire sewage generated and ensure that waste water is properly treated in STP at and maximum reused for gardening, flushing system etc. For reuse of treated waste water for irrigation sprinkler and drip irrigation system shall be installed and maintained for proper function. Part of the treated sewage, if discharged to sewer line, shall meet the prescribed standards for the discharge. Under any circumstances untreated sewage shall not be reused/recycle or discharged to municipal sewer line.
7. The project proponent will ensure that proper dust control arrangements are made during construction and proper display board is installed at the site to inform the public the steps taken to control air pollution as per the Construction and Demolition Waste Management Rules.
8. The project proponent shall install micro solar power plants, toilets in nearby villages, public place or school from CER fund of the project for which E.C is granted in addition to and water harvesting pits and carbon sequestration parks / designed ecosystems.
9. Solar energy to be used alternatives on the road and common places for illumination to save conventional energy as per ECBC Code.
10. The project proponent shall submit within the next 3 month the data of ground water quality including fluoride parameter to the limit of minimum deduction level for all six monitoring stations.
11. 15% area of the total plot area shall be compulsorily made available for the green area development including the peripheral green area. Plantation of trees should be of indigenous species and may be as per the consultation of local district Forest Officer.
12. The waste water generated should be treated properly in scientific manner i.e. domestic waste water to be treated in STP and effluent such as RO rejects with high TDS and other chemical bearing effluent shall be treated separately.
13. Permission from local authority should be taken regarding discharge of excess water into the sewer line.
14. The height, Construction built up area of proposed construction shall be in accordance with the existing FAR norms of the competent authority & it should ensure the same along with survey number before approving layout plan & before according commencement certificate to proposed work. Plan approving authority should also ensure the zoning permissibility for the proposed project as per the approved development plan of the area.
15. "Consent for Establishment" shall be obtained from UP Pollution Control Board.



16. All required sanitary and hygienic measures should be in place before starting construction activities and to be maintained throughout the construction phase.
17. Project proponent shall ensure completion of STP, MSW disposal facility, green area development prior to occupation of the buildings.
18. Municipal solid waste shall be disposed/managed as per Municipal Solid Waste (Management and Handling) Rules, 2016.
19. Provision shall be made for the housing of construction labour within the site with all necessary infrastructure and facilities such as cylinder for cooking, mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, creche and First Aid Room etc.
20. Adequate drinking water and sanitary facilities should be provided for construction workers at the site. Provision should be made for mobile toilets. The safe disposal of wastewater and solid wastes generated during the construction phase should be ensured.
21. The solid waste generated should be properly collected and segregated. Dry/inert solid waste should be disposed off to the approved sites for land filling after recovering recyclable material.
22. Corporate Environmental Responsibility (CER) shall be prepared by the project proponent and the details of the various heads of expenditure to be submitted as per the guidelines provided in the recent CER notification No. 22-65/2017-IA.III dated 01/05/2018. A copy of resolution of board of directors shall be submitted to the authority. A list of beneficiaries with their mobile nos./address should be submitted along with six monthly compliance reports.
23. No parking shall be allowed outside the project boundary.
24. Digging of basement shall be undertaken in view of structural safety of adjacent buildings under information/consultation with District Administration/Mining Department. All the topsoil excavated during construction activities should be stored for use in horticulture /landscape development within the project site. Additional soil for leveling of the proposed site shall be generated within the sites (to the extent possible) so that natural drainage system of the area is protected and improved.
25. Surface rain water has to be collected in kacchha pond for ground water recharging and irrigation of horticulture and peripheral plantation.
26. The approval of competent authority shall be obtained for structural safety of the buildings due to any possible earthquake, adequacy of fire fighting equipments etc. as per National Building Code including measures from lighting.
27. Disposal of muck during construction phase should not create any adverse effect on the neighboring communities and be disposed off taking the necessary precautions for general safety and health aspects of people, only in approved sites with the approval of competent authority.
28. Any hazardous waste generated during construction phase should be disposed off as per applicable rules and norms with necessary approvals of the UP Pollution Control Board.
29. The diesel generator sets to be used during construction phase should be low sulphur diesel type and should conform to Environments (Protection) Rules prescribed for air and noise emission standards.
30. Ambient noise levels should conform to residential standards both during day and night. Incremental pollution loads on the ambient air and noise quality should be closely monitored during construction phase. Adequate measures should be made to reduce ambient air and noise level during construction phase, so as to conform to the stipulated standards by CPCB/UPPCB.
31. The green area design along the periphery of the plot shall achieve attenuation factor conforming to the day and night noise standards prescribed for residential area. The open spaces inside the plot should be landscaped and covered with grass and shrubs. Green area Development shall be carried out considering CPCB guidelines including selection of plant species and in consultation with the local DFO/ Agriculture Dept.
32. The building should have adequate distance between them to allow movement of fresh air and passage of natural light, air and ventilation.
33. Pavements shall be so constructed as to allow infiltration of surface run-off of rain water. Construction of pavements around trees should be able to facilitate suitable watering, aeration and nutrition to the tree.
34. Ready Mix Concrete and Sprinkler to be used for curing and quenching during construction phase.
35. Roof top water in rainy season is to be discharged into RWH pits for ground water recharging. Arrangement shall be made that waste water and storm water do not get mixed.



36. NOC from Ground Water Board is to be submitted for drilling of tube well for use of Water Supply.

37. All the internal drains are to be covered till the disposal point.

38. This environmental clearance is issued subject to land use verification. Local authority / planning authority should ensure this with respect to Rules, Regulations, Notifications, Government Resolutions, Circulars, etc. issued if any.

39. Reflecting paint should be used on the roof top and side walls of the building tower for cooling effect.

Concealing factual data and information or submission of false/fabricated data and failure to comply with any of the conditions stipulated in the Prior Environmental Clearance attract action under the provision of Environmental (Protection) Act, 1986.

This Environmental Clearance is subject to ownership of the site by the project proponents in confirmation with approved Master Plan for Lucknow. In case of violation; it would not be effective and would automatically be stand cancelled.

The project proponent has to ensure that the proposed site is not a part of any no-development zone as required/prescribed/identified under law. In case of the violation this permission shall automatically be deemed to be cancelled. Also, in the event of any dispute on ownership or land use of the proposed site, this Clearance shall automatically be deemed to be cancelled.

The project proponent has to mandatorily submit the compliance of specific conditions no- 1, 3, 4 & 5 given in E.C. letter within 3 months, failing which the Clearance shall automatically be deemed to be cancelled.

Further project proponent has to submit the regular 6 monthly compliance report regarding general & specific conditions as specified in the E.C. letter and comply the provision of EIA notification 2006 (as Amended).

These stipulations would be enforced among others under the provisions of Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, the Public Liability (Insurance) Act, 1991 and EIA Notification, 2006 including the amendments and rules made thereafter.



(Ashish Tiwari)

Member Secretary, SEIAA

No...../Parya/SEAC/4763/2019 Dated: As above

Copy with enclosure for information and necessary action to:

1. The Principal Secretary, Department of Environment, Govt. of Uttar Pradesh, Lucknow.
2. Advisor, IA Division, Ministry of Environment, Forests & Climate Change, Govt. of India, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, Aliganj, New Delhi.
3. Additional Director, Regional Office, Ministry of Environment & Forests, (Central Region), Kendriya Bhawan, 5th Floor, Sector-H, Aliganj, Lucknow.
4. District Magistrate Lucknow.
5. The Member Secretary, U.P. Pollution Control Board, TC-12V, Paryavaran Bhawan, Vibhuti Khand, Gomti Nagar, Lucknow.
6. Copy to Web Master/ guard file.

(Ashish Tiwari)

Member Secretary, SEIAA



UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD

Validity Period :23/10/2019 To 31/10/2024

Ref No. -
62140/UPPCB/Lucknow(UPPCBRO)/CTE/LUCKNOW/2019

Dated:- 03/02/2020

To ,

Shri AMIT KUMAR
M/s ELDECO HOUSING AND INDUSTRIES LIMITED
Residential Township at Village-Jatikhera, Pargana- Bijnaur, Tehsil-Sarojni Nagar, LUCKNOW
LUCKNOW

Sub : Consent to Establish for New Unit/Expansion/Diversification under the provisions of Water (Prevention and control of pollution) Act, 1974 as amended and Air (Prevention and control of Pollution) Act, 1981 as amended.

Please refer to your Application Form No.- 5632972 dated - 29/07/2019. After examining the application with respect to pollution angle, Consent to Establish (CTE) is granted subject to the compliance of following conditions :

1. Consent to Establish is being issued for following specific details :

A- Site along with geo-coordinates :

B- Main Raw Material :

Main Raw Material Details		
Name of Raw Material	Raw Material Unit Name	Raw Material Quantity
Residential Township	Metric Tonnes/Day	0

C- Product with capacity :

Product Detail	
Name of Product	Product Quantity
residential township	0

D- By-Product if any with capacity :

By Product Detail			
Name of By Product	Unit Name	Licence Product Capacity	Install Product Capacity
residential township	Metric Tonnes/Day	0	0

2. Water Requirement (in KLD) and its Source :

Source of Water Details		
Source Type	Name of Source	Quantity (KL/D)
Municipal Supply	Lucknow Industrial Development Authority	109.0

3. Quantity of effluent (In KLD) :

Effluent Details	
Source Consumption	Quantity (KL/D)
Domestic	188.0

4. Fuel used in the equipment/machinery Name and Quantity (per day) :

Fuel Consumption Details		
Fuel	Consumption(tpd/kld)	Use

5. For any change in above mentioned parameters, it will be mandatory to obtain Consent to Establish again. No further expansion or modification in the plant shall be carried out without prior approval of U.P. Pollution Control Board.

For any change in above mentioned parameters, it will be mandatory to obtain Consent to Establish again. No further expansion or modification in the plant shall be carried out without prior approval of U.P. Pollution Control Board.

2. You are directed to furnish the progress of Establishment of plant and machinery, green belt, Effluent Treatment Plant and Air pollution control devices, by 10th day of completion of subsequent quarter in the Board.
3. Copy of the work order/purchase order, regarding instruction and supply of proposed Effluent Treatment Plant/Sewerage Treatment Plant /Air Pollution control System shall be submitted by the industry till 31/10/2024 to the Board.
4. Industry will not start its operation, unless CTO is obtained under water (Prevention and control of Pollution) Act, 1974 and Air (Prevention and control of Pollution)Act, 1981 from the Board.
5. It is mandatory to submit Air and Water consent Application,complete in all respect, four months before start of operation, to the U.P. Pollution Control Board.
6. Legal action under water (Prevention and control of Pollution) Act, 1974 and Air (Prevention and Control of Pollution) Act,1981 may be initiated against the industry With out any prior information,in case of non compliance of above conditions.

Specific Conditions:

1. This Consent to Establish is being granted to M/s Eldeco Housing and industries Ltd., khasra no. 30, 31, 32, 33, 34, 35, 36, 37ba, 37sa, 42, 43, 44, 142, 149, 150, 151, 152, 153, 155, 293sa, 293sa, 148, 154, 62, 146 and 147, Residential Township at Vill-Jatikhera, Pargana-Bijnaur, Tehsil-Sarojni Nagar, Lucknow having total plot area 68,200.0 Square Meter and Built-up Area shall be 47,077.09 Square Meter and for total residential plots 150, total no. of EWS and LIG units 32 (16+16).
2. The project shall comply with the provisions of Environment (Protection) Act 1986, Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 as amended, Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 as amended, Plastic Waste Management Rules 2016, E-Waste (Management) Rules 2016, Solid Waste Management Rules 2016 & Hazardous and other Waste (Management and Transboundary Movement) Rules 2016 (Whichever is applicable).
3. The project shall comply with the provisions of Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016.
4. At the project site a display board of size 4x6 feet shall be put up to display the provisions of Construction and Demolition Rules, 2016.
5. Project shall dispose the hazardous waste through authorized recyclers/TSDF only.
6. Project shall install Sewage Treatment Plant of capacity 160 KLD in such a manner so that it can achieve the standards specified in the notification issued by Ministry of Environment , Forest & Climate Change vide GSR 1265 (E) dated 13-10-2017 in the time period as specified in the notification & the treated water shall be used in flushing/horticulture/cooling etc.
7. Project shall develop proper green belt as per the guidelines issued vide Board office order no. H10405/220/2018/02 Dt. 16-02-2018 shall be complied.
8. The Order issued by Hon'ble Courts/Hon'ble NGT, MoEF & CC, Central Pollution Control Board, U.P. Pollution Control Board shall be complied with.
9. The height of stacks attached to DG sets shall remain as per the standards prescribed in Environment (Protection) Act, 1986 and the DG sets shall be equipped with suitable acoustic enclosures as to minimise the noise level as prescribed in Environment (Protection) Act, 1986.
10. Project shall not start gaseous emission & sewage generation without obtaining CTO (Air and Water) from the Board.
11. The project proponent shall obtain NOC from CGWA prior to extraction of ground water and submit its copy to the state Board.
12. Construction activity at the site shall be commenced only after obtaining due approval from Lucknow Development Authority and shall be carried out as per the approved map.
13. The dust emission from the construction sites shall be completely controlled and all precautions shall be taken in that behalf.
14. All approach roads & in-campus roads should be sprinkled with water to suppress the dust emission.
15. The project shall ensure to put tarpaulin scaffolding around the area of construction and the building for effective and efficient control of dust emissions generated during construction of the project.
16. Storage of any construction material particularly sand shall not be done on any space outside the project area.
17. The construction material of any kind stored on site shall be fully covered in all respect so that it does not get disperse in the air in any form. All the construction material & debris shall be carried in trucks or vehicles which are fully covered and protected so as to ensure that the construction debris or construction material does not get dispersed into the air or atmosphere in any form whatsoever.
18. The project shall ensure to provide the proper Wind breaking wall constructed around the

construction site.

19. In case of installation of hotmix/ready mixes plant, the prior permission shall be obtained from the Board.
20. Fixing of sprinklers and creation of green air barriers shall be done to control fugitive dust emission and improve environment. Compulsory use of wet jet in grinding and stone cutting shall be practiced.
21. The Project Proponent shall comply to the conditions imposed in the Environmental Clearance issued by SEIAA, UP vide letter Ref. No. 132/Parya/SEAC/4763/2019 dated 28.06.2019.
22. The construction activity shall be carried out in such a manner that a situation of traffic congestion, during the construction period, from movement of the vehicles does not arise in the near by area.
23. As per the proposal submitted by the PP the treated waste water from the STP, after achieving the norms, shall be used for flushing, DG Cooling and horticulture. However, excess water shall be discharged into public sewer only after obtaining prior permission of the concerned authority.
24. The Project Proponent shall install Rain Water Harvesting facility, as proposed for recharging of ground water strata.
25. The Project Proponent shall submit the RERA registration certificate within 03 months.
26. Project shall submit a bank guarantee of Rs. 10.0 lacs within 15 days for ensuring compliance of above mentioned conditions from SI no. 1 to 25.

Please note that consent to Establish will be revoked, in case of, non compliance of any of the above mentioned conditions. Board reserves its right for amendment or cancellation of any of the conditions specified above. Industry is directed to submit its first compliance report regarding above mentioned specific and general conditions till 03/03/2020 in this office. Ensure to submit the regular compliance report otherwise this Consent to Establish will be revoked.

Pramod Kumar Agarwal Digitally signed by Pramod Kumar Agarwal
Date: 2020.02.03 12:58:52 +05'30'
Chief Environmental Officer, Circle-5, UPPCB.

Dated:- 03/02/2020

Copy To -

Regional Officer, UPPCB, Lucknow.

Pramod Kumar Agarwal Digitally signed by Pramod Kumar Agarwal
Date: 2020.02.03 12:59:48 +05'30'
Chief Environmental Officer, Circle-5, UPPCB.



कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
विद्युत वितरण खण्ड (सेस-प्रथम) लेसा
मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड
33/11 के.वी. विद्युत उपकेन्द्र नादरगंज,
अमौसी, लेसा, लखनऊ।

फोन : 0522-2431955
Email : eddcassilesa@gmail.com

कार्यालय ज्ञाप

T.C.No-312641/18.57

एतत्तद्वारा विद्युत आपूर्ति संहिता 2005 (यथा संशोधित) में के निहित प्राविधानों के अनुपालन में निम्नलिखित आवेदक/इकाई के पक्ष में अस्थायी प्रयोजन हेतु अधोलिखित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन विद्युत भार स्वीकृत किया जाता है :-

इकाई/संस्था/आवेदक का नाम व पता	स्वीकृत भार	विधा	प्रयोजन	कार्य-स्थल
मो 0 एल्लिको हाउसिंग इण्डस्ट्रीज लि 0 द्वारा श्री रातीश कुमार शर्मा, खसरा सं 0 बी 37 व 37स ग्राम जैती खेड़, विजनौर, सरोजनी नगर, लखनऊ। मो 0 8874202769	12 किलोवॉट (अस्थायी)	LMV-9 (मीटर स्थापना से 6 माह की अवधि तक)	निर्माण कार्य	खसरा सं 0 बी 37 व 37स ग्राम जैती खेड़, विजनौर, सरोजनी नगर, लखनऊ।

उपरोक्त विद्युत भार की स्वीकृति तथा उसका अवमुक्त करना निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन होगा।

- विरल श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों द्वारा पीक आवर्स में विद्युत भार का उपयोग पूर्णतया हर दशा में प्रतिबन्धित होगा इसका उल्लंघन करने पर इकाई का विद्युत संयोजन नियमानुसार विच्छेदित कर दिया जायेगा।
- प्रभावित 400/220/132 के 0वी 0 उप संरक्षानों पर स्थापित परिवर्तक निर्धारित अधिकतम लोडिंग सीमा से अधिक भारित होने की दशा में इकाई की विद्युत आपूर्ति में कटौती की जायेगी।
- विद्युत प्रणाली ओवर लोडिंग के कारण आपूर्ति विभव मानक से कम/अधिक हो सकती है।
- उक्त संयोजन की विद्युत आपूर्ति कारपोरेशन के नियमों के अन्तर्गत की जायेगी, परन्तु परिस्थितियों में विद्युत प्रणाली की सुरक्षा हेतु समय-समय पर आवश्यकतानुसार रोस्टिंग तथा आपातकालीन रोस्टिंग की जा सकती है।
- विद्युत आपूर्ति कारपोरेशन में लागू रेट शेड्यूल में निहित वोल्टेज पर ही दी जायेगी।
- विद्युत भार किसी भी दशा में कारपोरेशन की किसी ट्रंक लाइन को टेप करके अवमुक्त नहीं किया जायेगा।
- किसी भी दशा में शहरी पोषक को नगरपालिका/नगरमहापालिका/टाउन एरिया की सीमा से बाहर बढ़ाकर विद्युत भार अवमुक्त नहीं किया जायेगा।
- यदि कालम-5 में उल्लिखित परिसर/इकाई पर अथवा उपभोक्ता के नाम से पहले से कोई रहा हो, तो उक्त भार तब तक अवमुक्त नहीं किया जायेगा, जब तक कि उस पुराने कनेक्शन अथवा उपभोक्ता के विद्युत बकाया कारपोरेशन धनराशि (यदि कोई हो) का पूरा भुगतान नहीं किया जायेगा।
- यदि उक्त इकाई/उपभोक्ता और कारपोरेशन के मध्य कोई न्यायिक विवाद अथवा कोर्ट के लम्बित हो तो इस दशा में भी विद्युत भार अवमुक्त नहीं किया जायेगा।
- कारपोरेशन द्वारा निर्धारित सभी औपचारिकतायें पूर्ण करने के पश्चात् की विद्युत भार अवमुक्त किया जायेगा।
- उपभोक्ता को मीटरिंग व्यवस्था हेतु डबल पोल अथवा परिवर्तक प्लिंथ क निकट स्वतंत्र मीटर रूम बनाना होगा। मुख्य मार्ग से मीटर रूम तक स्वतंत्र प्रवेश की व्यवस्था करनी होगी।
- कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सहायक, निदेशक (विद्युत सुरक्षा), गोमतीनगर लखनऊ के विद्युत सुरक्षा अनापत्ति प्रमाण-पत्र मिलने के उपरान्त की आप द्वारा विकसित प्रणाली तंत्र को लेसा नेटवर्क से जोड़ा जायेगा।
- अग्निशमन विभाग से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने पर ही संयोजन अवमुक्त किया जायेगा।
- यदि भविष्य में लखनऊ विकास प्राधिकरण/उ 0प्र 0 आवास विकास परिषद/नगर निगम अथवा अन्य तत्सम्बन्धी समक्ष विभाग द्वारा किसी प्रकार की कोई आपत्ति की जाती है तो उस स्थिति में पूर्ण उत्तरदायित्व उपभोक्ता का होगा। ऐसी स्थिति में स्वीकृत भार/संयोजन निरस्त कर दिया जायेगा।
- उक्त अस्थाई संयोजन की उपरोक्त वर्णित वैधता अवधि समाप्त होने पर अवधि विस्तार अथवा विच्छेदन कराकर बिल/अन्तिम बिल जमा कराये, अन्यथा की स्थिति में किसी भी प्रकार के आर्थिक दण्ड/विभागीय कार्यवाही के लिए उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदार होगा। एवं बिना मीटर कनेक्शन विद्युत चोरी की श्रेणी में गानकर नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।
- उक्त स्वीकृति निम्नलिखित धनराशि जमा करने की शर्तों के साथ है :-

क्र 0स 0	विवरण	धनराशि
1.	मीटर की कीमत	5000.00
2.	प्रतिभूति	16800.00
3.	प्रोसेसिंग फीस	100.00
4.	अधिम विद्युत मूल्य	55000.00
5.	जी एस टी	18.00
	योग	76918.00
	(रु 0 छिहत्तर हजार नौ सौ छ्दारह रुपये मात्र)	

(संदीप कुमार तिवारी)
अधिशासी अभियन्ता

पत्रांक : 5912/वि.वि.खण्ड (सेस-1)/टी 0री 0 / तददिनांक 21/11/19

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- उपखण्ड अधिकारी, वि 0वि 0 उपखण्ड नादरगंज/उत्तरेठिया/गहरू, विद्युत वितरण खण्ड, सेस-प्रथम, लेसा, लखनऊ।
- सहायक अभियन्ता(मीटर), वि 0वि 0ख 0-सेस(प्रथम), लेसा को इस आशय के साथ प्रेषित कि उपभोक्ता के परिसर पर उचित क्षमता का मीटर स्थापित कराकर मीटर सीलिंग की एक प्रति खण्ड कार्यालय में प्रेषित करना सुनिश्चित करें।
- उपभोक्ता को उपरोक्त पते पर।

(संदीप कुमार तिवारी)
अधिशासी अभियन्ता



Office of the Executive Engineer
Electricity Distribution Division Cess-I, Lesa
Madhyanchal Vidut Vitaran Nigam Ltd.
33/11 KV Electricity Substation, Nadarganj
Amausi, Lucknow.

No. None /EDD CESS-I/LESA

Dated :- 22/10/2019

M/S Eldeco Housing Industries Ltd
C/O Sri Satish Kumar Sharma,
Kh.NO. B37 & 37S Jaiti Khera, Bijnaur,
Sarojini Nagar, Lucknow.

Subject:- Terms & Condition For New Temporary Connection For 12 KW (6 Months) :-

For G/S To: For New Service Connection of Tem. Supply Sanctioned Load from 12 K.W for 6 months
Kindly arrange to deposit the amount as per following details.

S.No.	Particulars		(as per Cost Data Book)
1	Security Charges	Rs.	16800.00
2	Meter Cost	Rs.	5000.00
3	Pro.	Rs.	0.00
4	E.C. Charges	Rs.	55000.00
5	GST 18 %	Rs.	0.00
	Total	Rs.	76800.00
Rs. Seventy Six Thousand Eight Hundred Only .			

- Above payment should be made in favour of Executive Engineer, EDD CESS-I, LESA, Lucknow. Payable at Lucknow in from of cash/demand draft only.
- You are further requested to submit NOC to be obtainable from the office of Director Electrical safety, Gomati Nagar Lucknow.
- Submit B & L from to be obtainable from A class L.E.C authorized by Director Electrical Safety, Lucknow.
- Connection charge may be deposited at EE office/SDO office after completion of line and satisfaction of supervisory officer.
- Rs. 100.00 revenue stamp on any working day between 10:30 hrs to 16:30 hrs. Along with two witness must be submitted.
- Meter room of size 10x10x10ft. With independent gate entry from outside of premises is to be constructed by you wherever applicable which must be facilitated by light & fan etc.
- It shall be consumer responsibility to obtain Row/way leave premises. The actual amount for the same has to deposited by consumer.
- Material to be procured as per specification certified by Nigam/Department and must be inspected by authorized officer of MVVNL. Work to be executed within two years from the date of deposit. The Validity of the above estimate is for a maximum period of three months only within financial year. In case of any revision of stock issue rates/cost data book, action shall be taken as per rules of Nigam.
- Expiration of Validity Tem.Con./Bill Will be Charged as UUE(Unothrised of Electricitiy Sec-126 E.S.C-2005).
- Without Meter Connection Will be treated as Theft Case(Sec-135/135E E.S.C.-2005)


EXECUTIVE ENGINEER

No. None /EDD/CESS-I/C.O.T Dated :- 22/10/2019

Copy Forwarded to Following for Information and necessary action :-

- (1) SDO (Nadarganj/Gahroo/Uthratiya) CESS-I, LESA LUCKNOW.
- (2) Cashier, EDD CESS-I, LESA LUCKNOW.


EXECUTIVE ENGINEER